भूमि सुपोषण एवं संरक्षण हेतु
राष्ट्र स्तरीय जन अभियान
Nation wide Jan Abhiyan on...
Bhumi Suposhan evam Samrakshan
Yugabda 5123
Chaitra Shudhha Pratipada to Ashadh Shudhha Pournima
13, April 2021 to 24, July 2021
युगाब्द ५१२३ । चैत्र शु. प्रतिपदा से आषाढ शु. पूर्णिमा
१३, अप्रेल २०२१ से २४, जुलाई २०२१

अभियान आयोजक (Organisers)

गायत्री परिवार (Gayatri Parivar)

पातंजलि योगपीठ (Patanjali Yogpeeth)

रामकृष्ण मिशन (Ramakrishna Mission)

इस्कॉन (International Society for Krishna Consciousness (ISKCON))

श्री सिद्धगिरि मठ (Shri Siddhagiri Math)

श्री रामचंद्र मिशन (Shri Ramchandra Mission)

ईशा फाउंडेशन (Isha Foundation)

जीयर ट्रस्ट (Jeeyar Trust)

गौ आधारित प्रकृति व्यवसाय दारुल संगम (Gauaadharit Prakriti Vyawasay Darul Sangam)

बन्सी गिर गौशाला (Bansi Gir Gaushala)

गौसेवा गतिविधि (Gauseva Gatividhi)

भारतीय किसान संघ (Bhartiya Kisan Sangh)

स्वदेशी जागरण मंच (Swadeshi Jagran Manch)

सहकार भारती (Sahakar Bharati)

वनवासी कल्याण आश्रम (Vanvasi Kalyan Ashram)

दीनदयाल शोध संस्थान (Deen Dayal Shodh Sansthan)

अक्षय कृषि परिवार (Akshay Krishi Parivar)

एकल विद्यालय (Ekal Vidyalaya)

लोक भारती (Lok Bharati)

विद्या भारती (Vidya Bharati)

विश्व हिंदू परिषद (Vishva Hindu Parishad)

ग्रामविकास गतिविधि (Gramvikas Gatividhi)

राष्ट्रीय सेवा भारती (Rashtriya Seva Bharati)

गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र (Go Vigyan Anusandhan Kendra)

कृषि प्रयोग परिवार (Krishi Prayog Parivar)

एकलव्य फाउंडेशन (Ekalavya Foundation)

गंगा सेवा समिति (Ganga Seva Samiti)

ग्राम भारती (Gram Bharati)

यूथ फॉर नेशन (Youth for Nation)

पर्यावरण गतिविधि (Paryavaran Samrakshan Gatividhi)

ब्रह्मानंद धाम (Brahmanand Dham)

प्रज्ञान मिशन (Pragyan Mission)

भारत सेवाश्रम संघ (Bharat Sevashram Sangh)

अभियान लोगो (Logo)

माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः

भूमि सुपोषण एवं संरक्षण अभियान

Bhumi Suposhan is a significant Bhartiya Krishi tradition. Over the years, in the age of modern agriculture, we have lost connect with this tradition. Consequently, our Bhumi has weakened.

Modern agriculture has paved the way for indeterminate use of chemical fertilizers and pesticides, monocropping instead of crop diversity, fossil fuels instead of animal power, intensive irrigation, and intensive land use. These are some of the major reasons of disconnecting us from Bhartiya Krishi tradition.

Bhumi Suposhan and Samrakshan Jan Abhiyan is a joint effort of farmers practicing Bhartiya Krishi, organizations working with the farmers, Agriculture Scientists and Farmer Scientists. The Abhiyan aims at reinstating Bhumi Suposhan in its contemporary form without compromising present demands of our agriculture.

भूमि सुपोषण, भारतवर्ष में प्राचीन काल से चली आ रही एक महत्वपूर्ण कृषि प्रथा है। जैसे जैसे समय बीतता गया, हम इस आधुनिक कृषि पद्धतियों के युग में आकर, अपनी कृषि परंपरा से दूर होते गये। परिणामस्वरूप, हमारी माता समान भूमि शक्तिहीन होती गयी। आधुनिक कृषि ने रासायनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग, फ़सलों की विविधता को हटाकर एक ही फ़सल लेने की प्रथा (एकधा सस्यन), पशुधन की जगह जीवाश्म ईंधनों का प्रयोग, सघन सिंचाई और भूमि का अतिप्रयोग हमपर थोंप दिया। ये बात यहाँ समाप्त नहीं होती। ऐसे अन्य कई कारण भारतीय कृषि परंपरा से हमारा नाता तोड़ने में योगदान देते हैं। 'भूमि सुपोषण एवं संरक्षण अभियान', भारतीय कृषि परंपरा को जीवित रखने वाले किसानों, किसानों के साथ कार्यरत संस्थाओं, कृषि वैज्ञानिकों और विज्ञाननिष्ठ किसानों का भारतीय कृषि पद्धति का पुनरुद्धार करने के हेतु एक संयुक्त प्रयास है। इसका लक्ष्य है, आज के युग में कृषिक्षेत्र की माँगों में कोई समझौता किये बिना भूमि सुपोषण की पुनःस्थापना!